

कलकना अ.क्रि. (देश.) 1. जोर से चिल्लाना 2. चीत्कार करना। 3. कल-कल का स्वर करना।

कलकना पुं. (देश.) झरनों आदि से जल के गिरने या बहने का "कल-कल" शब्द, कोलाहल, शोर, परस्पर कलह के कारण शोर।

कल-कल पुं. (अनु.) 1. नदी या अन्य प्रकार के जल-बहाव की मधुर 'कल-कल' ध्वनि या शब्द 2. कोमल और मधुर शब्द।

कलकलाची स्त्री. (देश.) बीच से फटी हुई लंबी दुम वाली दुबली-पुतली, फुर्तीली तथा कर्कश ध्वनि वाली, चमकीली, काली एक चिड़िया जो हानिकारक कीड़ों को खाने की प्रवृत्ति वाली होने के कारण खेतों की फसल के लिए लाभदायक होती है, अतः गाँवों में प्रायः खुले स्थानों पर मिलती है।

कलकलाना स.क्रि. (अनु.) "कल-कल" शब्द करना, कलरव करना, चहचहाना **अ.क्रि.** 1. चुनचुनी, हलकी खुजली का अनुभव होना, सुरसुराना 2. किसी प्रकार की प्रवृत्ति होना जैसे- 1. क्या बोलने को जीभ कलकला रही है 2. तुम्हारी पिटने को पीठ कलकला रही लगती हैं।

कलकान वि. (देश.) दुखी, परेशान उदा. "कोकिला कुहकि-कुहकि कान कलकान करी है" -आलम (आलमकेलि-113)।

कलकानि स्त्री. (देश.) कलह, परेशानी, दुख, हैरानी।

कल-कारखाना पुं. (तत्.+फा.) 1. वह स्थान जहाँ मशीन से चीजें बनाई जाती हैं, उद्योगशाला, शिल्पशाला 2. मशीन से चलने वाला कारखाना 3. मशीन और कारखाना।

कलकी पुं. (तद्.) कल्कि (अवतार)।

कलकूजक वि. (तत्.) मधुरभाषी, मधुर स्वर में बोलने वाला 2. मृदुभाषी।

कलकूजिका वि.स्त्री. (तत्.) 1. मृदुभाषिणी 2. सुंदर तथा मधुर स्वर में बोलने वाली, मधुर भाषिणी।

कलघोष वि. (तत्.) कलकंठ, मधुर लगने वाला स्वर, मधुर स्वर पुं. (तत्.) 1. हंस 2. कबूतर 3. कोकिल **स्त्री.** कोयल, कोकिला।

कलक्टर पुं. (अं.) जिले का प्रमुख राजस्व अधिकारी, जिला प्रशासन का सर्वोच्च अधिकारी, जिलाध्यक्ष, जिलाधिकारी **वि.** एकत्रित करने वाला अधिकारी, टिकट कलेक्टर, टैक्स कलक्टर।

कलक्टरी स्त्री. (देश.) 1. जिलाधिकारी का कार्यालय, कलक्टर की कचहरी 2. कलक्टर का पद 3. कलक्टर संबंधी, कलक्टर का।

कलगान पुं. (तत्.) कलरव, मधुर नाद, मधुर-स्वर वाला गीत जैसे- कोकिल का कलगान।

कलगी स्त्री. (तुर्की.-कल्गी) 1. पक्षियों के सिर की चुटिया (चोटी), बालों का गुच्छा 2. राजाओं की पगड़ी में लगाए जाने वाले पक्षियों के खूबसूरत बहुमूल्य पर 3. सोने और मोतियों से बनाया हुआ सिर का एक आभूषण 4. टोपी या पगड़ी में लगाया जाने वाला-फुंदना या तुरा 5. लावनी की एक तर्ज जिसके गायक को कलगीबाज कहा जाता है।

कलचिड़ी स्त्री. (देश.) लाल चोंच और काले पेट वाली एक चिड़िया।

कलछाँवाँ वि. (देश.) 1. गहरा काला, झाँवें के समान काला 2. जो झुलसा हुआ सा लगे।

कलछा पुं. (तद्.) एक पात्र जिसकी डाँड़ी लंबी और बड़ी होती है तथा पाकशाला में काम आता है।

कलछी स्त्री. (तद्.) कड़ाही आदि में व्यंजन पकाने आदि कामों में प्रयुक्त होने वाला लंबी डंडी का एक पात्र (बरतन)।

कलछुला पुं. (देश.) भड़भूँजों द्वारा अनाज आदि भूनने में प्रयुक्त लोहे का बड़ा कलछा।

कलजिम्मा वि. (तद्.+तत्.) 1. काली जीभ वाला (पशु आदि), 2. ऐसा व्यक्ति जिसकी कही हुई अशुभ बातें ठीक या सत्य साबित होती हो।

कलजीहा वि. (तद्.) दे. कलजिहवा।

कलजुग पुं. (तद्.) कलियुग।

कलजुगी वि. (तद्.) 1. कलियुग संबंधी, कलियुग का, कलियुगी 2. झूठ, पाप, हिंसात्मकता आदि दुर्गुणों वाला।